काँवड़ियों की सेना चली | By Kumar Narendra |

बम बम महादेव
बम बम महादेव
जय भोलेनाथ
जय भोलेनाथ
जय भोलेनाथ

श्रावण ऋतु मास में
शिव दर्शन आस में
काँवड़ ले हाथ में चली
काँवड़ियों की सेना चली
दिन है या रात है
भक्ति भाव साथ है
काँवड़ ले हाथ में चली
काँवड़ियों की सेना चली

बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव

गंगाजल से भर कलश
काँवड़ में सज मुस्काते हैं
काँवड़ियों की भक्ति भावना
भाव को बतलाते हैं
बच्चा बूढ़ा जवान काँवड़
काँधे पर ले जाते हैं
बम बम कहते बढ़ते जाते
दु:ख में भी मुस्काते हैं
भोले दर्शन भाव है
मन में एक खिंचाव है
चलते चलो भोले की गली
काँवड़ियों की सेना चली

बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव

जाति पाती कोई धर्म नहीं है
एक काँवड़िया जात है
चलते रहना रुकना नहीं है
चाहे दिन हो रात है
पीले वस्त्रों में सज निकलो
शिव शंकर बारात है
बड़े बड़े तूफानों से भी
खाते नहीं ये मात है
आँधी या तूफान है

इनको कुछ न ज्ञान है
इनके आगे मृत्यु है टली
काँवड़ियों की सेना चली

बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव

शिव गौरा की शक्ति
सावन मास में कृपा अनंत है
काँवड़ जैसी पूजा का कोई
आदि न कोई अंत है
काँवड़ की महिमा है भारी
हर काँवड़िया संत है
श्रावण में काँवड़ जो चढ़ाए
जीवन उसका बसंत है
भक्ति भाव तर्पण कर
स्वयं को समर्पण कर
शिव गौरा भाव से चली
काँवड़ियों की सेना चली

बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव
बम बम महादेव

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%80-by-kumar-narendra/